हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 31.6 डिग्री
न्यूनतम 18.4 डिग्री

9 आईजीयू में अंतर-कॉलेज खेल स्पर्धाओं का शेड्यूल जारी, 27 से 3 नवंबर तक होंगे मुकाबले



10 बीते 2 माह में बिना नंबर प्लेट व हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट वाले वाहनों पर शिकंजा, 3877 चालकों के काटे चालान



खबर संक्षेप

सड़क हादसों के आरोपी दो चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर हादसों के बाद फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। सदर थाना पुलिस ने रोहतक हाइवे पर हादसा होने के बाद गत 16 अक्टूबर को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में मीरपुर निवासी सुनील को गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य हादसे के बाद 10 सितंबर को दर्ज मामले में राजस्थान के पनियाला निवासी केहर सिंह को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में ऑटो सवार तीन लोग घायल हो गए थे। उसके ट्रक को भी कब्जे में लिया गया है।

कोर्ट से घोषित पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने कोर्ट से घोषित होने के बाद फरार चल रहे एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में चल रहे एक मामले में जयपुर के करोला का बाग जगतपुरा निवासी सुमित तारीख पर पेश नहीं हो रहा था। बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी वह कोर्ट के समक्ष हाजिर नहीं हुआ, तो कोर्ट ने उसे पीओ घोषित करते हुए उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर गत 14 सितंबर को केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी सुमित को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश करते हुए जेल भेज दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म में दो आरोपी काबू

कोसली। पुलिस ने नाबालिग का अपहरण करने के बाद दुष्कर्म करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गत 11 अक्टूबर को आरोपियों के खिलाफ अपहरण व पोक्सो एक्ट सहित कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने नाबालिग को बरामद करने के बाद कोर्ट में उसके बयान दर्ज कराए थे। इस मामले में पुलिस ने फतेहाबाद के ढाणी छतरिया निवासी सुखविंद्र और कालीदास कॉलोनी निवासी अजय को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

अवैध शराब बेचने के आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। अवैध शराब बेचने वालों पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने 2 आरोपियों को शराब सहित गिरफ्तार किया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने गढ़ी अलावलपुर गांव में छापेमारी की। इस दौरान गांव निवासी कपिल को 12 बोतल देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। सिटी पुलिस ने सूचना के आधार पर संघी का बास मोहल्ले में अवैध रूप से शराब बेचने के आरोपी भगवानदास को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से अवैध शराब की 15 बोतल बरामद हुइं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत मामले दर्ज किए हैं।

मौसम में बदलाव से खिसका पारा, सीजन की सबसे ठंडी रही शनिवार रात

■ बारिश के बाद आया मौसम में बदलाव, तापमान अभी भी सामान्य से ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में बारिश के बाद मौसम के तेवर ठंडे पड़ने शुरू हो गए हैं। इस सीजन में शनिवार की रात सबसे ठंडी रही, जबकि तापमान अभी भी सामान्य से 5 डिग्री तक ज्यादा बना हुआ है। रात का पारा तीन दिन से लगातार गिर रहा है, जिस कारण सुबह की ठंड ने उपस्थिति दर्ज कराना शुरू कर दिया है। लगभग एक सप्ताह तक मौसम शुष्क बना रहने के आसार हैं।

बारिश के बाद तीन दिन से आसमान साफ बना हुआ है। रविवार को भी सुबह से ही मौसम साफ रहा। अधिकतम तापमान 0.4 डिग्री की गिरावट के साथ 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री की मामूली गिरावट के साथ 18.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। यह इस सीजन का सबसे कम तापमान है। तापमान में कमी के बाद रात



रेवाड़ी। सरसो की बिजाई के लिए तैयार खेत। फोटो : हरिभूमि

तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। बीते वर्ष 18 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री और न्यूनतम 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। गत वर्ष की तुलना में इस बार रात की ठंड देरी से शुरू हो रही है। दो दिन से ही रात का तापमान गिरने से सुबह के समय ठंड ने अपनी उपस्थिति का अहसास कराना शुरू कर दिया है। हालांकि दिन का तापमान अभी भी ज्यादा बना हुआ है, जिस कारण दोपहर तक मौसम गर्म बना रहता है। मौसम विभाग के अनुसार यह सप्ताह शुष्क बीत सकता है। इस दौरान दिन के तापमान में मामूली वृद्धि हो सकती है, लेकिन रात का पारा अभी और कम हो सकता है। जल्द ही सुबह के समय लोगों को गर्म कपड़े संभालने पड़ेंगे।

सरसों बिजाई के लिए मौसम अनुकूल

रात का तापमान गिरने के बाद किसानों के लिए सरसों की बिजाई आसान हो गई है। बारिश के बाद किसानों को जमीन की सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं है, जिस कारण तेजी से बिजाई का कार्य शुरू हो गया है। कृषि विशेषज्ञ डा. धर्मबीर ने बताया कि दिन का तापमान भी सरसों की बिजाई के अनुकूल बन गया है। अब किसान निश्चिंत होकर बिजाई कर सकते हैं।

एक्यूआई बढ़ाएगी मरीजों की परेशानी

बरसात के बाद प्रदूषण एक बार साफ हो गया था। अब मौसम साफ होने और रात के समय ठंड शुरू होने से प्रदूषण की समस्या एक बार फिर से बढ़नी शुरू हो गई है। दो दिन पहले तक एक्यूआई 100 से नीचे चल रहा था। रविवार को यह 140 के पार पहुंच गया। ठंड बढ़ने के साथ ही एक्यूआई तेजी से बढ़ने की आशंका बनी हुई है। आने वाले दिनों में सुबह के समय आसमान में प्रदूषण की चादर दिखाई देनी शुरू हो सकती है।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने किया था गांव के पार्क का शिलान्यास, बीपीएल प्लॉट आवंटियों ने शुरू किया नींव खोदने का कार्य

निर्माण से पहले ही बायोडाइवर्सिटी पार्क विवादों में भूमि का एक हिस्सा पहले से बीपीएल को आवंटित

■ ग्राम पंचायत की आधी अधूरी प्रक्रिया को लेकर वन विभाग ने दिया नोटिस

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह के गांव बूढ़पुर में वन विभाग की ओर से विकसित किया जाने वाला बायोडाइवर्सिटी पार्क निर्माण से पहले ही विवादों में आ गया है। तीस एकड़ से ज्यादा जमीन पर राव नरबीर सिंह के दादा राव मोहरसिंह के नाम पर विकसित होने वाले इस पार्क की जिस जमीन का प्रस्ताव ग्राम पंचायत ने वन विभाग को दिया हुआ है, उसका एक हिस्सा पहले ही बीपीएल परिवारों को दिया हुआ है। पार्क के शिलान्यास के तुरंत बाद इन परिवारों ने अपने प्लॉटों पर नींव खुदाई शुरू कर दी है, जिससे मामला तूल पकड़ने लगा है। पैतृक गांव में जैव विविधता पार्क और अमृत सरोवर का निर्माण कराने की पहल खुद वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने की थी। मंत्री की इस योजना को सिरे चढ़ाने के लिए वन विभाग की ओर से ग्राम पंचायत से प्रस्ताव मांगा गया था। सरपंच ने ग्राम सभा की मीटिंग की बुलाकर 30 एकड़ से अधिक पंचायती जमीन पर पार्क विकसित करने का प्रस्ताव पास कराकर इसे वन विभाग को भेजा था। जिस जमीन का प्रस्ताव भेजा गया था, उसमें वह जमीन भी शामिल है, जिस पर ग्राम पंचायत पहले ही 80 से अधिक बीपीएल परिवारों को प्लॉट आवंटित कर चुकी है।

अलग खबर

गत 26 जून को कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने इस अत्याधुनिक पार्क का शिलान्यास किया था। उसके बाद वह बीपीएल परिवार भी एक्टिव हो गए, जिन्हें 100-100 गज के प्लॉट ग्राम पंचायत ने आवंटित किए थे। इनमें से 30 से अधिक प्लॉट धारकों के नाम तो रजिस्ट्रियां भी हो चुकी हैं। प्लॉट धारकों ने अब अपने प्लॉटों में मकान निर्माण कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे वन विभाग भी सकते में आ गया है।



रेवाड़ी। जैव विविधता पार्क में मौजूद वन अधिकारी व लोग। फोटो : हरिभूमि

अन्य जगह पर प्लॉट देने का प्लान



ग्राम पंचायत की ओर से वर्ष 2009 में 80 से अधिक परिवारों को प्लॉट आवंटित किए थे। एक बार इन प्लॉटों का आवंटन रद्द कर दिया गया था। इसके बाद वर्ष 2015 में नए सिरे से प्लॉट आवंटित किए गए। इनमें से 30 से ज्यादा प्लॉट मालिकों ने तत्कालीन सरपंच से मिलकर रजिस्ट्रियां तक अपने नाम करा ली थीं, जिस कारण वह इस जमीन के मालिक हैं। पंचायत उन्हें दूसरी जगह प्लॉट देने को तैयार है, लेकिन वह सहमत नहीं हो रहे हैं।

अफसरों की मीटिंग से निकलेगा हल

मामला कैबिनेट मंत्री के गांव का होने का कारण बीपीएल प्लॉटों का पार्क की जमीन में आना अधिकारियों के लिए पसीने छुड़ाने वाला साबित हो रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले को लेकर जल्द ही डीसी अभिषेक मीणा डीडीपीओ व पंचायत विभाग के दूसरे अधिकारियों के साथ मीटिंग करते हुए समस्या का हल निकालने का प्रयास करेंगे। प्लॉट धारकों को अन्य स्थान पर शिफ्ट कराने पर मंथन किया जाएगा।

कोर्ट का सहारा ले सकते हैं आवंटी

जिन प्लॉट धारकों के पास रजिस्ट्रियां हैं, वह अब दूसरी जगह प्लॉट लेने को तैयार नहीं हैं। सूत्रों क अनुसार पार्क निर्माण को लेकर गांव की आंतरिक राजनीति भी अपना काम कर रही है। इसके चलते अगर रजिस्ट्री धारकों को दूसरी जगह शिफ्ट करने के प्रयास किए जाते हैं, तो वह इसके खिलाफ कोर्ट का दरवाजा भी खटखटा सकते हैं। ऐसे में पार्क निर्माण की प्रक्रिया को सिरे चढ़ाने में देरी होना स्वाभाविक है।

सामान्य प्रस्ताव ने बढ़ाई मुश्किलें

ग्राम पंचायत की ओर से बायोडाइवर्सिटी पार्क निर्माण कराने के लिए जमीन का सामान्य प्रस्ताव वन विभाग को भेजा था। प्रस्ताव भेजने से पहले पंचायत बीपीएल परिवारों के नाम किए गए प्लॉटों को भूल गई। प्लॉट धारकों ने जब पार्क के प्रस्तावित जमीन पर ही नींव खुदाई का कार्य शुरू किया, तो वन विभाग ने ग्राम पंचायत को नोटिस जारी कर दिया। पंचायत सोमवार को इस नोटिस का जवाब दाखिल कर सकती है।



टेकओवर करने की प्रक्रिया अधूरी

ग्राम पंचायत की ओर से जिस जमीन पर पार्क विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया था, उस जमीन को विभाग आधी-अधूरी प्रक्रिया के चलते टेक ओवर नहीं कर पाया है। बीपीएल प्लॉटों का मामला सामने आने के बाद समस्या खड़ी हो गई है। ग्राम पंचायत दूसरे स्थान पर प्लॉट देने के लिए भी तैयार है। पंचायत के जवाब के बाद आगे कदम उठाया जाएगा।

-संदीप कुमार, वन रेंज अधिकारी।

नोटिस का जवाब कर रहे तैयार

गांव में पार्क विकसित कराने के लिए ग्राम पंचायत की ओर से नियमानुसार प्रस्ताव पास कराकर वन विभाग को भेजा गया था। जिन बीपीएल परिवारों को प्लॉट आवंटित किए गए थे, उन्हें दूसरी जगह प्लॉट लेने को कहा गया है। कुछ लोग इसी जगह पर मकान बनाने की जिद कर रहे हैं। ग्राम पंचायत की ओर से सोमवार को वन विभाग को नोटिस का जवाब दिया जाएगा।

-मोनिका यादव, सरपंच बूढ़पुर।



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी महिला। फोटो : हरिभूमि

चोरी की आरोपी महिला को भेजा जेल, पूछताछ के बाद नकदी की बरामद

रेवाड़ी। ऑटो में महिला का पर्स से नकदी चोरी करने के मामले में गिरफ्तार की गई महिला को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। महिला से पूछताछ के बाद चोरी की नकदी बरामद कर ली गई। आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस उसके साथियों का पता लगाने के प्रयास कर रही है। गत 14 अक्टूबर को मोहल्ला लक्ष्मी नगर निवासी कैलाश देवी ने पुलिस शिकायत में बताया था कि 12 अक्टूबर को वह अपनी बहन और दो भांजियों के साथ शहर में कपड़े खरीदने आई थीं। वह झज्जर चौक से एक ऑटो में बैठकर नाई वाली चौक पर पहुंची थीं। उनके साथ उसी ऑटो में दो अन्य महिलाएं भी सवार थीं। नाई वाली चौक पर उतरने के बाद जब उन्होंने अपना पर्स चेक किया, तो उसमें रखे 45 हजार रुपये गायब मिले। उन्होंने आसपास काफी तलाश की, लेकिन ऑटो में बैठी महिलाओं का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत के बाद केस दर्ज करने के बाद जांच करते हुए राजस्थान के गोठड़ा निवासी उषा देवी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट से रिमांड पर लेकर पूछताछ की, तो आरोपी की निशानदेही पर चोरी की रकम में से 40 हजार रुपये बरामद हो गए। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया।

■ आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी के कई मामले दर्ज

मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल से आंखों पर पड़ रहा असरः डा. मिथुन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के वार्ड नंबर-13 स्थित नया गांव में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्डवासियों की आंखों की जांच कर उन्हें नेत्र सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। डा. मिथुन कुमार ने कहा कि बदलती जीवनशैली, फास्ट फूड के बढ़ते चलन और मोबाइल के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण कम उम्र में ही बच्चों को आंखों संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आंखों को स्वस्थ रखने के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने के साथ मोबाइल और टीवी का सीमित इस्तेमाल करना जरूरी है।



बच्चों को लंबे समय तक मोबाइल और टीवी देखने से बचाना चाहिए तथा उन्हें खुले मैदान में खेलने और शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, गाजर, मौसमी फल और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल करने की सलाह दी। साथ ही मोबाइल और कंप्यूटर का इस्तेमाल करते समय बीच-बीच में आंखों को आराम देने तथा आंखों में परेशानी होने पर नेत्र विशेषज्ञ से जांच कराने की अपील की।

ये मौजूद रहे

शिविर में ऊषा देवी, ओमप्रकाश, अशोक, सूबे सिंह, मामन, नरेश, जगदीश, नीलम, दयावती, सुमन, कोमल, कनिष्का और रीतू सहित अन्य वार्डवासी मौजूद रहे।

डबल मर्डर केस में तीन और आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बीते अगस्त माह में गोकलपुर गांव के पास हुई दो युवकों की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। इस हत्याकांड में पुलिस 7 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत 21 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव गोकलपुर के पास तीन युवक घायल अवस्था में पड़े हैं। सूचना पाकर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। मौके पर गांव मांढैया कलां निवासी एक युवक जतिन मृत अवस्था में मिला, जबकि दो अन्य घायल थे। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान एक और युवक गांव निगानियांवास निवासी हिमेश की मौत हो गई।

■ कोर्ट से पांच दिन के रिमांड पर लिए

तीसरे युवक गांव बुड़ाना निवासी यशपाल को मामूली चोटें आई थीं। पुलिस ने मृतक जतिन के पिता देशराज के बयान पर चार गांवों के 9 नामजद सहित कई आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर मामले में संलिप्त 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में पुलिस ने चिराहड़ा निवासी आशीष, धर्मपाल उर्फ सतपाल व आसलवास निवासी सौरव को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोहरे हत्याकांड में प्रयुक्त कार व अवैध हथियार भी बरामद कर चुकी है।



रेवाड़ी। सीआईए की गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

तीनों आरोपी आदतन अपराधी

एएसपी दीपिका अग्रवाल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी आदतन अपराधी हैं। उनके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीनों को अन्य जानकारी हासिल करने के लिए कोर्ट से रिमांड पर लिया गया है। दोहरे हत्याकांड के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द करने के प्रयास चल रहे हैं।

मंदिरों में शारदीय नवरात्रों के अवसर पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही

मां महागौरी को किया प्रसन्न, आज होगी सिद्धिदात्री की उपासना





रेवाड़ी। बारा हजारी में सजी दुर्गा माता की प्रतिमा, सर्वजननी दुर्गोत्सव समिति के पांडाल में सजी माता की प्रतिमा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के सभी मंदिरों में शारदीय नवरात्रों के अवसर पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मां दुर्गा के आठवें नवरात्रे पर रविवार को अष्टमी पर श्रद्धालुओं ने मां महागौरी की पूजा अर्चना की तथा काफी व्रतियों ने कंजिकाओं को भोजन कराकर अपने व्रत का समापन भी किया। काफी श्रद्धालु सोमवार को अष्टमी व नवमी पर कंजिकाओं का पूजन कर अपना व्रतों का समापन करेंगे, क्योंकि अष्टमी सोमवार को सुबह 10:30 तक रहेगी। शहर के बारा हजारी स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी स्थित काली माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा देवी मंदिर, सेक्टर-3 स्थित माता मंदिर, बारा पत्थर स्थित कालीमाता मंदिर, आर्य समाज रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर सहित सभी मंदिरों में पूजा की गई। बारा हजारी स्थित दुर्गा मंदिर में दिल्ली झंडेवालान शक्ति पीठ की ओर से माता की चौकी स्थापित कर सत्संग भी किया गया। बारा हजारी में सर्वजननी दुर्गोत्सव समिति की ओर से भी माता का पांडाल सजाया गया है। माता की रोजाना आरती व पूजा की जा रही है। समिति की ओर से 21 अक्टूबर को माता की शोभा यात्रा निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

मां सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली

अंतिम नवरात्रे पर उपासक सोमवार को मां दुर्गा की 9वीं शक्ति सिद्धिदात्री देवी की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा अर्चना करेंगे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि मां सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्या, ऱ्इशित्व और वशित्व यह 8 सिद्धियां होती हैं। मां सिद्धिदात्री भक्तों को यह सभी सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। देवी पुराण के अनुसार भगवान शिव ने इनकी कृपा से ही इन सिद्धियों को प्राप्त किया था, मां की अनुकम्पा से ही भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हो गया था। इसी कारण वह लोक में अर्धनारीश्वर के नाम से प्रसिद्ध हुए। मां सिद्धि दात्री 4 भुजाओं वाली हैं, इनका वाहन सिंह है, मां कमलपुष्प पर भी आसीन होती हैं। मां के दाहिनी हाथ में चक्र, ऊपर वाले हाथ में गदा तथा बांई ओर के नीचे वाले हाथ में शंख और ऊपर वाले हाथ में कमल पुष्प है।

मनुष्य अपूर्ण है इसलिए सत्य का विकास जो उसके द्वारा होता है अपूर्ण होता है। यही विकास का रहस्य है। यदि ऐसा न हो तो ज्ञान की वृद्धि असंभव हो जाय।

- जयशंकर प्रसाद



पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही, जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था।



प्रेम का विसर्जन



कहानी

मनीषा मंजरी

धूप की हल्की सुगंध, घंटियों की आवाज़ और दूर से आती ढाक की थाप... पूरा शहर जैसे मां दुर्गा के आगमन के रंग में डूबा हुआ था। जगह-जगह सजे विशाल मंडपों में रोशनी झिलमिला रही थी और नीले आकाश के नीचे हर ओर भक्ति, उल्लास और उत्सव की छटा बिखरी थी। उसी भीड़ में काव्या मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़े खड़ी थी। आंखें बंद थीं। पिछले तीन वर्षों से वह इसी तरह यहां आती, प्रतिमा के सामने खड़ी होती, आंखें बंद करती और हर बार एक ही प्रार्थना दोहराती,

"मां... उसे वापस कर दो।"

पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था। उसे आज भी याद था, वह पहली दुर्गा पूजा, जब सौरव ने उसे लाल चूड़ियों का एक छोटा-सा डिब्बा देते हुए कहा था,

"तुम पर लाल रंग अच्छा लगता है।"

काव्या ने चूड़ियां हाथ में लेते हुए मुस्कुराकर पूछा था,

"और अगर मुझे पसंद नहीं आया तो?"

सौरव हंसा था।

"तो अगले साल रंग बदल दूंगा।"

काव्या खिलखिला पड़ी थी। उसे कहां पता था कि कुछ रंग जीवन में इतने गहरे उतर जाते हैं कि वर्षों बाद भी उनसे बाहर निकलना आसान नहीं होता। उनका प्रेम किसी फिल्मी कहानी जैसा नहीं था। वह चाय के छोटे-छोटे कपों, देर रात तक चलने वाली फोन कॉलों, अचानक हुई बारिशों और उन अनगिनत बातों से बना था जिनका कोई विशेष अर्थ नहीं होता, फिर भी जिनके बिना प्रेम अधूरा लगता है। सौरव उसके सपनों को जानता था। काव्या लेखिका बनना चाहती थी, वह अक्सर कहता,

"तुम्हें अपनी किताब लिखनी चाहिए। मैं सबसे पहले पढ़ूंगा।"

काव्या हंसकर कहती,

"पहले तुम मुझे पूरा पढ़ तो लो।"

शायद वह पढ़ रहा था, या शायद दोनों एक-दूसरे को पढ़ते-पढ़ते अपने हिस्से की कहानी कहीं खो बैठे थे। एक शाम सौरव ने कहा,

"काव्या, मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं।"

काव्या ने कोई उत्तर नहीं दिया, बस अपना सिर उसके कंधे पर रख दिया। उसे लगा, यही उत्तर काफी है। लेकिन कुछ महीनों बाद सौरव बदलने लगा। फोन कम हो गए, मुलाकातें टलने लगीं, और उसके शब्दों में पहले जैसी सहजता नहीं रही। एक दिन उसने कहा,

"मेरे घर वाले नहीं मानेंगे।"

काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही, फिर पूछा,

"और तुम?"

सौरव ने आंखें झुका लीं।

"मैं... कोशिश करूंगा।"

उस दिन काव्या ने पहली बार जाना था कि कुछ रिश्ते "मैं कोशिश करूंगा" और "मैं तुम्हारे साथ हूं" के बीच ही मर जाते हैं। कुछ सप्ताह बाद सौरव ने रिश्ता खत्म कर दिया, न कोई बड़ा झगड़ा हुआ, न कोई आरोप। बस एक शांत-सा वाक्य,

"काव्या, मैं तुमसे प्यार करता हूं... लेकिन मैं अपने परिवार के खिलाफ नहीं जा सकता।"

वह हंसना चाहती थी, रोना चाहती थी। उससे पूछना चाहती थी कि फिर उसके प्रेम का अर्थ क्या था? लेकिन उसने कुछ नहीं पूछा। बस कहा,

"ठीक है।"

उस दिन के बाद उसने सौरव को कभी फोन नहीं किया। लेकिन हर दुर्गा पूजा पर मां से उसे वापस मांगती रही। शायद इंसान कई बार किसी व्यक्ति को नहीं, उस व्यक्ति के साथ देखे हुए अपने भविष्य को वापस मांगता है।

तीन वर्ष बीत गए। काव्या ने नौकरी शुरू कर दी थी। उसने फिर से लिखना शुरू कर दिया था। अपनी किताब का पहला अध्याय भी पूरा कर लिया था। लोग कहते थे, वह आगे बढ़ गई है। उसे भी कभी-कभी ऐसा लगता था। लेकिन दुर्गा पूजा आते ही उसके भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता। उस वर्ष जब अष्टमी की रात वह पंडाल पहुंची थी। ढाक की आवाज़ के बीच अचानक उसे लगा जैसे किसी ने उसका नाम पुकारा हो।

"काव्या..."

उसने पलटकर देखा, सामने सौरव खड़ा था। वही आंखें, वही आवाज़, बस चेहरे पर तीन वर्षों की थकान कुछ अधिक साफ दिखाई दे रही थी। काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही। यह कोई भ्रम नहीं था, वह सचमुच सौरव था।

"कैसी हो?"

काव्या के होठों पर हल्की-सी मुस्कान आई।

"ठीक हूं।"

सौरव ने उसकी आंखों में देखते हुए कहा,

"मैं तुम्हें बहुत याद करता था।"

तीन वर्ष पहले शायद यह सुनकर काव्या रो पड़ती, आज उसने केवल पूछा,

"अब?"

सौरव कुछ क्षण चुप रहा।

"अब भी।"

ढाक की आवाज़ दोनों के बीच गूंजती रही। सौरव ने बताया कि उसने शादी नहीं की। उसने कई बार काव्या से संपर्क करने के बारे में सोचा था, लेकिन हिम्मत नहीं हुई। उसे अपने निर्णय पर पछतावा था। फिर उसने बहुत धीमे से कहा,

"अगर तुम चाहो... तो हम फिर से शुरू कर सकते हैं।"

काव्या के भीतर जैसे किसी ने वर्षों से बंद संदूक खोल दिया, पहली बारिश, लाल चूड़ियां, चाय की वह छोटी-सी दुकान, उसका कंधा, उसकी आवाज़, और वह लड़की, जो कभी पूरे विश्वास से मानती थी कि प्रेम हर मुश्किल से बड़ा होता है। उसकी आंखें भर आईं, लेकिन इस बार आंसू सौरव के लिए नहीं थे। वे उस लड़की के लिए थे, जिसने कभी अपने प्रेम को बचाने के लिए स्वयं को खो दिया था। काव्या ने धीरे से कहा,

"सौरव, मैंने तुम्हें बहुत प्यार किया था।"

"था?"

काव्या मुस्कुराई।

"नहीं। कुछ प्रेम का समय बीत जाता है, प्रेम नहीं।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

सौरव उसे देखता रहा।

"तो फिर?"

काव्या ने एक लंबी सांस ली।

"लेकिन मैं उस जीवन में वापस नहीं जा सकती, जहां मुझे अपने होने के लिए किसी और की अनुमति चाहिए।"

"मैं बदल गया हूं।"

"शायद।"

"फिर तुम मुझे एक मौका क्यों नहीं देती?"

काव्या ने सामने मां दुर्गा की प्रतिमा की ओर देखा। मां की आंखों में वही शक्ति थी, जिसके सामने वह पिछले तीन वर्षों से सिर झुकाती आई थी, वह धीरे से बोली,

"क्योंकि मैंने तीन साल तुम्हारे लौटने की प्रार्थना की है।"

सौरव चुप रहा, काव्या की आवाज़ और धीमी हो गई।

"अब डर लगता है... अगर तुम लौट आए, तो कहीं मैं फिर खुद से दूर न हो जाऊं।"

सौरव के पास कोई उत्तर नहीं था, कुछ क्षण दोनों चुप खड़े रहे। फिर काव्या ने कहा,

"तुम मेरे जीवन का बहुत सुंदर हिस्सा थे, सौरव। लेकिन अब मैं अपने जीवन की पूरी कहानी तुम्हारे नाम नहीं कर सकती।"

वह मुड़ी और भीड़ में खो गई। उस रात घर लौटकर उसने अपनी पुरानी डायरी निकाली। पहले पन्ने पर अब भी वही वाक्य लिखा था,

"मां, उसे मेरे पास वापस भेज देना।"

काव्या देर तक उसे देखती रही, फिर उसने कलम उठाई। उस वाक्य के नीचे लिख दिया,

"मां, अगली बार मुझे वही मत देना जो मैंने मांगा है।"

उसकी आंखों से आंसू गिर पड़े। उसने आंखें बंद कीं।

"अगर वह मेरे लिए नहीं है, तो उसे वापस मत भेजना।"

कुछ क्षण वह चुप रही, फिर उसके होंठ कांपे—

"इस बार मुझे, मेरी वह ज़िंदगी वापस देना, जिसे मैंने उसके इंतज़ार में कहीं पीछे छोड़ दिया।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

कवि कॉर्नर

कविता | नरेंद्र कुमार



दशहरा

आया - आया दशहरे का त्योहार।
रावण , मेघनाथ का करो सिंगार।।

रावण का बड़ा पुतला दस सिर वाला।
लम्बी - लम्बी मूंछें मुंह फिर काला।।

पाखंडी बनके सीता का हरण किया।
हनुमान ने भी ढूंढने का प्रण लिया।।

राम - लक्ष्मण ने लंका में युद्ध किया।
राम ने रावण को दण्ड ख़ुद दिया।।

सौंप के राज विभीषण को लंका का।
तीनों लोक में बजा दिया डंका सा।।

कविता | सपना



इंसान

क्यों हर चेहरे पे मुखौटा है ?
क्यों हर शब्द में बनावट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी छवि
औरों पे सवाल उठाता है ।

क्यों हर हँसी कृत्रिम है ?
क्यों हर प्रशंसा छलपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी मर्यादा
औरों को व्यवहार सिखाता है ।

क्यों हर भरोसे में विश्वासघात है ?
क्यों हर कर्म स्वार्थपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना कर्तव्य
औरों को दायित्व समझाता है ।

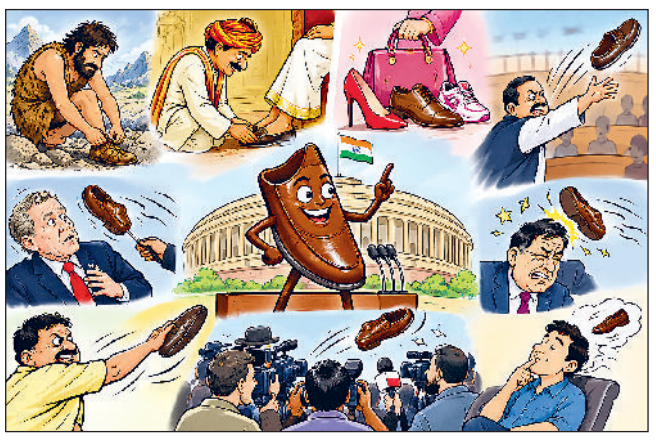
क्यों हर शब्द में अहंकार है ?
क्यों हर कथन में कड़वाहट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना स्वभाव
औरों को नम्रता का पाठ पढ़ाता है ।

क्यों हर व्यवहार में मिथ्या है ?
क्यों हर आचरण में ढोंग है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी वास्तविकता
औरों को यथार्थ दिखाता है ।

हमारे देश में जूतों का बड़ा नाम है...



व्यंग्य | आसिम अनमोल



जूतों का इतिहास बेहद प्राचीन और दिलचस्प रहा है , जो मौसम और पथरीली ज़मीन से पैरों की सुरक्षा करने की ज़रूरत से शुरू होकर आज चारों तरफ़ उछल रहा फैशन का सबसे बड़ा हिस्सा बन चुका है। हमारे देश में जूतों की भी अपनी संस्कृति हुआ करती थी। जूतों को बड़े सम्मान से पैरों में पहना जाता था। जूते हमारे पैरों का विशेष ध्यान रखते थे। आज जूते पैरों से उतरकर हाथों की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हाथों से उछलकर संसद तक अपनी प्रतिष्ठा दिखा रहे हैं। जूते कम समय में इतनी बड़ी पहचान बना लेंगे, यह कल्पना भी नहीं की गई थी। यहां कुछ न चल रहा हो लेकिन जूते ऐसे चल पड़ते हैं, जैसे हमारे देश में मुंह उठाकर महंगाई चल पड़ती है। जूतों ने विगत वर्षों में कई ज़ोरदार आवाज़े उठाई हैं। कहीं व्यवस्था, युद्ध या फैसलों से तंग आकर जूता रूपी आवाज़ उठी है। कहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश को एक पत्रकार द्वारा यह कहकर तोहफे में दिए गए हैं कि यह इराक के अनाथों और विधवाओं की तरफ़ से विदाई का चुम्बन है। गौरतलब है कि इसी घटना के बाद से जूता फेंककर विरोध जताने का एक अनोखा चलन शुरू हो गया। अब जूते की भी अपनी एक आवाज़ स्थापित हो गई। जैसे नेता बोलने में माहिर होता है, वैसे ही जूता भी अब खामोश नहीं रहता। उछलकर खुद को स्थापित करता है। जूता उछालना और गुस्से का इज़हार करना अब प्रसांगिक हो गया है। यानी जूता जूता होता है। इसलिए जूते से जूते जैसा काम लिया जाता है। जूता उछालने पर सामने वाले की इज्ज़त भले ही जूते जैसी हो जाए। इससे जूते को कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि जूता इंसान नहीं जूता होता है। जूते का काम जुबान बनकर सीधा सवाल करना होता है। अब तो मीडिया को भी इंतज़ार रहता है कि कब प्रेस कॉन्फ्रेंस हो और कब जूता किसी की इज्ज़त पर शेयर मार्केट की तरह उछले और हमें बैठे बिठाए कवरेज हासिल हो जाए। यहां जूते को कोई नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। न ही जूता कोई फ़ालतू चीज़ होता है। जूता जुबान से लेकर हाथों से उछालने या मारने जैसी प्रक्रिया से होकर गुज़रता है। किसी से अनबन हुई तो बंदा तुरंत जूते की फिजिकल फिटनेस का परिचय देते हुए संबोधित करता है कि बेहिसाब पड़ेंगे। अब भले ही पड़े एक भी नहीं। यही तो जूते की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि जूता चला भी नहीं और जूते ने अपना काम भी कर दिया। और जहां चला, वहां जूते ने अपना नाम कर दिया। असल में जूते कभी शोरूमों की शोभा एवं पैरों की जीनत हुआ करते थे। दौर बदला तो जूते शोरूमों से बाहर आकर अपनी अहमियत दिखाने लगे। तभी से जूतों ने अपनी ताक़त को पहचानना आरम्भ कर दिया। जिधर देखिए, जूते को फेंककर मारने की परंपरा विकसित होती जा रही है। जूते चलाने में एक सुविधा का जिक्र भी कर दूं कि जुबान थकने से बच जाती है। दिमाग़ की ऊर्जा भी बर्बाद नहीं होती। यानी जूते का काम बड़ा आसान है। इसी लिए हमारे देश में जूते का बड़ा नाम है।

कुछ हटकर

एआई से करियर को दें नई उड़ान

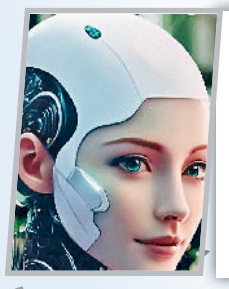
सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल अब केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, बैंकिंग, मीडिया, डिजिटल विपणन और कारोबार में भी एआई उपकरणों की मदद ली जा रही है। इससे युवाओं के लिए करियर के नए विकल्प सामने आ रहे हैं। एआई सीखने के लिए शुरुआत में महंगी डिग्री जरूरी नहीं, लेकिन बेहतर नौकरी पाने के लिए संबंधित कौशल और व्यावहारिक अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

कौशल जरूरी

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।



प्रशिक्षण विकल्प

- आईबीएम स्किल्सबिल्डः एआई, डेटा और डिजिटल कौशल के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- माइक्रोसॉफ्टः एआई की बुनियादी जानकारी और व्यावहारिक उपयोग सीखने के संसाधन।
- कनाइलिटः एआई, मशीन लर्निंग और प्रोग्रामिंग से संबंधित पाठ्यक्रम।

कितनी पढ़ाई जरूरी

- एआई उपकरणों का सामान्य इस्तेमाल सीखने के लिए 10वीं या 12वीं के बाद भी शुरुआत संभव।
- डेटा विश्लेषण के लिए आंकड़ों और कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी उपयोगी।
- ड-एआई इंजीनियर या मशीन लर्निंग विशेषज्ञ बनने के लिए प्रोग्रामिंग, गणित और संबंधित तकनीकी ज्ञान जरूरी।
- कुछ तकनीकी पदों पर स्नातक डिग्री या उच्च शैक्षणिक योग्यता मांगी जाती है।

कितनी हो सकती है कमाई

एआई और मशीन लर्निंग से जुड़े कुछ तकनीकी पदों पर शुरुआती वेतन लगभग 4 से 10 लाख रुपये सालाना या अधिक हो सकता है।-डिजिटल सामग्री और एआई उपकरणों से जुड़े शुरुआती कामों में कमाई कम हो सकती है।-स्वतंत्र रूप से काम करने वालों की आय ग्राहकों, परियोजनाओं और काम की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।यहां मिलेंगे अवसर-आईटी कंपनियों, बैंकिंग, ई-कॉमर्स और स्वास्थ्य सेवाओं में।-मीडिया, डिजिटल विपणन और शिक्षा क्षेत्र में।-डेटा विश्लेषण, तकनीकी सहायता और एआई आधारित सॉफ्टवेयर विकास में।-नौकरी के लिए आवेदन करने से पहले संबंधित पद की योग्यता और अनुभव की शर्तें देखें।

मोटिवेशनल

हम अक्सर खुशियों को टालते क्यों रहते हैं ?

हम अक्सर सोचते हैं कि जब हमारी नौकरी बेहतर होगी, आय बढ़ जाएगी या सारी मुश्किलें दूर हो जाएंगी, तब हम चैन से खुश हो पाएंगे। इसी 'तब' के इंतजार में वर्तमान का खूबसूरत पल पीछे छूटता चला जाता है। हम छोटी खुशियों को इस बहाने टाल देते हैं कि अभी बहुत कुछ पाना शेष है। और इसी इंतजार में हम आज को जीना भूल जाते हैं। परंतु जीवन कभी भी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त नहीं होता। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी खड़ी हो जाती है। फिर खुश होने के लिए किसी विशेष दिन का इंतजार क्यों करना?



डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

कभी-कभी हम खुशी के इंतजार में उस खुशी को ही खो देते हैं, जो हमारे पास पहले से होती है। अचानक मिलने वाली छोटी सी खुशी भी जीवन को सुंदर बना देती है। खुशी कोई पड़ाव नहीं है, बल्कि उन छोटे पलों का अहसास है जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। खुशी के लिए हमेशा बड़ी उपलब्धियों की जरूरत नहीं होती, कभी-कभी मन का सुकून ही सबसे बड़ी खुशी होता है। अतः जीवन को केवल एक बेहतर भविष्य की प्रतीक्षा में नष्ट न करें। जो खुशी आज आपके पास है, उसका आनंद आज ही लें—क्योंकि जीवन इंतजार करने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। इसके लिए हमेशा खुश रहने के निम्न प्रमुख तरीके अपनाएं।

तुलना करना बंद करें: दूसरों से अपनी तुलना करना छोड़ दें और जो कुछ आपके पास है, उसके लिए आभार (कृतज्ञता) व्यक्त करें।

वर्तमान में जिएं: भविष्य की चिंता या बीती हुई बातों के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय आज और इस पल में जीना सीखें।

नियमित व्यायाम और नींद: मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की भरपूर नींद लें और नियमित व्यायाम करें।

संतुलित आहार लें: अपने खान-पान में ताजे फल, हरी सब्जियां और पौष्टिक आहार को शामिल करें।

लघुकथा

सैन्य अनुशासन

सुबह-सुबह कर्नल साहब ने अपनी रौबदार आवाज में पत्नी से कहा —
"जरा स्टोर की चाबी देना, कुछ निकालना है।"
पत्नी ने चाबी तो थमाई, साथ ही हिदायत भी दी —
"काम हो जाए तो ठीक से ताला बंद कर दीजिएगा, कामवाली आने वाली है।"
कर्नल साहब बड़े एहतियात से स्टोर में गए, कुछ ढूँढा, फिर पूरे आत्मविश्वास के साथ ताला लगाया— क्लिक!
चाबी वापस पत्नी को देते हुए बोले, "मिशन पूरा!"
दोपहर को जब पत्नी जी स्टोर में कुछ निकालने पहुंचीं तो नजर पड़ते ही माथा ठनका।
डंडाले के दो छिद्रों में से ताला ऊपर वाले छिद्र में झूल रहा था यानी ताला तो बस दिखावे का पहरा था!
जो चाहे, बिना चाबी के स्टोर खोल ले!



नील मणि
साहित्यकार

स्टोर के दरवाजे पर दो छिद्रों वाला छोटा डंडाला लगा था जिसमें नीचे वाले छिद्र में रोड डालने के बाद डंडाला नीचे दबा ऊपर से ताला लगाते हैं।
पत्नी ने आवाज लगाई -"सुनिए जरा, आपने ताला लगाया था?"
कर्नल साहब ने गर्व से कहा, "हां, बिल्कुल लगाया था! क्यों?"
"जरा खोल दीजिए"
कर्नल साहब मिशन मोड में बड़े आत्मविश्वास के साथ चाबी लेकर स्टोर की ओर कूच कर गए। ताले में चाबी छिद्र में चाबी डालने ही वाले थे कि देखा- ताला तो शोभा की चीज बना हुआ था। डंडाला तो बिना चाबी के ही खुल गया!
क्षणभर के लिए दोनों की निगाहें मिलीं —
अब पत्नी की आंखों में मौन मुस्कान, कर्नल साहब के चेहरे पर झेंपी हुई बहादुरी और शौर्य से उपजा संकोच तैर रहा था।
पत्नी बुदबुदाई —
"सैन्य अनुशासन घर आते-आते पता नहीं कहां छुट्टी पर चला जाता है।"

अग्निरहित तकनीक से लुप्त होते स्वादों को नया जीवन दे रहे विद्यार्थीः कुलपति

■ आईजीयू में अंतरराष्ट्रीय शेफ दिवस पर पाक कला स्पर्धा एवं कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के होटल एवं पर्यटन प्रबंधन विभागकी ओर से अंतर्राष्ट्रीय शेफ दिवस के अवसर पर प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निरहित खाना पकाना और हरियाणा के लुप्त होते स्वाद विषय पर अंतर-विभागीय पाक कला प्रतियोगिता तथा उभरती पाक कला प्रवृत्तियों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी एवं कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों गणमान्य अतिथियों ने चीन से पधारे शेफ तियान सहित सभी आमंत्रित अतिथियों एवं संसाधन व्यक्तियों का स्वागत किया।

इस मौके पर कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक पाक कला का एक उत्कृष्ट संगम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पारंपरिक और लुप्त होते



रेवाड़ी। विद्यार्थियों को पाककला की जानकारी देते चीन के शेफ। फोटो : हरिभूमि

स्वादों को अग्निरहित तकनीक से पुनर्जीवित करना विद्यार्थियों की अद्भुत रचनात्मकता को दर्शाता है, जिससे उन्हें व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षता मिलती है।

कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने कहा कि ऐसी रचनात्मक प्रतियोगिताएं छात्रों में नवाचार, टीम वर्क और संसाधन प्रबंधन का कौशल विकसित करती हैं, तथा विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों के सर्वांगीण विकास और व्यावहारिक प्रशिक्षण को निरंतर बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यशाला में चीन से विशेष रूप से पधारे अंतरराष्ट्रीय शेफ तियान तथा एम्बर पैलेस ग्रुप के एग्जीक्यूटिव शेफ प्रमोद रतूड़ी ने मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में शिरकत की। उनके साथ एम्बर पैलेस, गुरुग्राम के जनरल मैनेजर नितेश रोहिल्ला एवं शेफ धीरज भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जाने वाली अत्याधुनिक कटिंग, स्टीमिंग, प्लेटिंग और हाइजीन मानकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के पारंपरिक स्वादों को आधुनिक प्रस्तुति और फ्यूजन तकनीक के साथ मिलाकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकप्रिय बनाया जा सकता है। उन्होंने अग्निरहित कुकिंग के माध्यम से पोषक तत्वों को सुरक्षित रखने और सस्टेनेबल कुकिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। नितेश रोहिल्ला और शेफ प्रमोद रतूड़ी ने आतिथ्य उद्योग में अनुशासन, समय प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय शेफ्स के लिए उपलब्ध अपार संभावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

15 टीमों ने पाककला प्रतियोगिता में भाग लिया

विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों से 15 टीमों ने पाककला प्रतियोगिता में भाग लिया। कड़े मुकाबले के बाद प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्रबंधन विभाग की टीमों ने प्राप्त किए, जबकि तृतीय पुरस्कार मनोविज्ञान विभाग की टीम ने जीता। विभागाध्यक्ष प्रो. अदिति शर्मा ने सभी आमंत्रित अतिथियों, संसाधन व्यक्तियों एवं संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. करण सिंह, प्रो. दीपक गुप्ता, प्रो. समृद्धि तथा डा. सुशांत यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन कार्यशाला के संयोजक डा. विक्रांत तथा आयोजन सचिव डा. नवनीत कौशल ने किया, जिसमें विभाग के संकाय सदस्य डा. पवन, डा. आरती, डा. अमन व अरुण का योगदान रहा।

व्हाट्सएप पर पार्ट टाइम जॉब का लालच देकर ठगते हैं साइबर अपराधी

टास्क व निवेश के नाम पर साइबर ठगी

लालच में न गंवाएं मेहनत की कमाई

शुरुआती भुगतान के बाद निवेश के नाम पर लाखों रुपये हड़पने का खेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने टास्क या इन्वेस्टमेंट के नाम पर होने वाली साइबर ठगी को लेकर नागरिकों को सतर्क किया है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी सबसे पहले आपके वाट्सएप पर विदेशी या स्वदेशी नंबरों से मैसेज करता है, जोकि पार्ट टाइम जॉब देने के नाम पर होता है। उसमे कुछ बडे-बडे यूट्यूब चैनल दिए जाते है, जिन्हे सब्सक्राइब करके उसका स्क्रीन शॉट भेजना होता है, जिसके बदले में ठग एक सब्सक्राइब करने का 50 रुपये देते हैं। शुरूआत में लगभग 3 सब्सक्राइब का टॉस्क दिया जाता है और जब आप टॉस्क पूरा करके व्हाट्सएप पर स्क्रीनशॉट भेज देते हैं। इसके बाद ठग पेमेंट देने के नाम पर टेलीग्राम की आईडी देते है और बोलते हैं कि इस आईडी पर मैसेज करो, जैसे ही आप टेलीग्राम पर मैसेज करते हो तो वे बैंक डिटेल मांगते हैं। उसके बाद आपके खाते में 150 रुपये आ जाते है। उसके बाद ये टेलीग्राम पर एक ग्रुप का लिंक भेजते हैं कि इस ग्रुप में ऐड हो जाओ, ग्रुप में हर आधे घंटे में इसी प्रकार का लिंक देंगे आपको उसे सब्सक्राइब करके स्क्रीनशॉट वापस उसी ग्रुप में भेजना है। उसके बाद आपके कुछ पैसे प्राप्त होते है।

फिर उसी ग्रुप के एडमिन की ओर से मैसेज आता है कि यदि आप अपने पैसों को और भी ज्यादा बढ़ाना चाहते है तो और पैसा इन्वेस्ट करें। इस ग्रुप में कुछ लोग फर्जी मैसेज भी करते हैं कि मैंने इसके माध्यम से बहुत सारे पैसे कमा लिए हैं, जिससे व्यक्ति को लालच आ जाता है और वे इसमे पैसे इन्वेस्ट करने शुरू कर देते हैं। उसके बाद जैसे-जैसे आप पैसे डालते जाते हैं तो आपको ठग फर्जी वेबसाइट पर ले जाते है, जहां आपके पैसे एक वर्चुअल खाते मे दिखाई तो देते है पर जब उन्हे निकालने की कोशिश करते हैं तो आपको बोला जाता है कि दूसरे राउंड में पैसे लगाने के बाद ही अपने पहले वाले पैसे निकाल सकते हैं, दूसरे के बाद तीसरा और तीसरे के बाद चौथा राउंड चलता रहता है। इस तरह लोगों के पैसे फंस जाते हैं व टॉस्क फ्रॉड का शिकार हो जाते हैं।

टॉस्क फ्रॉड से बचाव के उपाय



किसी विदेशी या भारतीय मोबाइल नम्बर से कोई पार्ट टाइम जॉब के लिए कोई मैसेज आता है तो आपको अच्छी तरह जांच पड़ताल करनी चाहिए। यदि थोड़ा भी शक हो तो उसे अनदेखा कर डिलीट कर दें। पार्ट टाइम जॉब ऑफर में ज्यादा मुनाफे के चक्कर में न फंसे और इस प्रकार के मैसेज को अनदेखा करें। किसी भी प्रकार की जॉब के लिए आपको पैसे देने की आवश्यकता नहीं होती है। यदि आपके पास पार्ट टाइम जॉब का ऑफर आता है तो व्हाट्सएप या टेलीग्राम की बजाय मिलकर आमने सामने ही बात करें। यदि आपको पार्ट टाइम जॉब के लिए मैसेज आता है तो आप जॉब देने वाली कंपनी के ऑफिस का पता लेकर उसे वेरीफाई करे। पार्ट टाइम जॉब ऑफर देने वाली कंपनी से अपॉइंटमेंट लेटर देने के लिए बात करें। पार्ट टाइम जॉब ऑफर में जिस नंबर से आपके पास व्हाट्सएप मैसेज आता है उस नंबर पर जब आप कॉल करेंगे तो कभी भी आपका कॉल रिसीव नहीं किया जाता है। टॉस्क/इन्वेस्टमेंट फ्रॉड में आपके बैंक खाते में हर बार अलग अलग बैंक खातों से पैसे आते है, जबकि वास्तविक कंपनियों से आपके बैंक खाते में एक ही खाते से पैसे आते हैं। वास्तविक कंपनी पैसे डालने के लिए कभी भी अलग-अलग बैंक खाते या अलग अलग यूपीआई आईडी नहीं देती। यदि अलग-अलग बैंक खाते दिए जाते हैं तो आप सावधान हो जाएं। अगर इस प्रकार का फ्रॉड हो जाता है तो साइबर क्राइम थाना या नजदीकी पुलिस थाना में जाकर थाना में स्थापित साइबर डेस्क व नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा सकते है। इसके अलावा राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी शिकायत रजिस्टर्ड कर सकते हैं।



रेवाड़ी। समारोह में पुस्तक का लोकार्पण करते साहित्यकार। फोटो : हरिभूमि

साहित्यकार मास्टर राम अवतार शर्मा की नव प्रकाशित कृति 'महाभारत के पात्र' का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अमेरिका प्रवास से लौटे चालीस पुस्तकों के लेखक वरिष्ठ साहित्यकार मास्टर राम अवतार शर्मा के सम्मान में मिश्री देवी काव्य फाउंडेशन के तत्वावधान में सेक्टर-4 के कमला सदन में साहित्यकार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। खालेटा निवासी वरिष्ठ कवि आचार्य शुभराम शास्त्री की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में क्षेत्र के कई जिलों के दो दर्जन से ज्यादा रचनाकारों ने भाग लिया। संस्कृति लेखक व समीक्षक सत्यवीर नाहड़िया ने समारोह में मुख्य वक्ता तथा समाजसेवी कैप्टन कीर्ति वीर ने स्वागताध्यक्ष की भूमिका निभाई। पुस्तक लोकार्पण, समीक्षा, काव्य-गोष्ठी तथा साहित्यकार सम्मान मुख्य आकर्षण रहे।

साहित्यकारों ने सजाई साहित्यिक महफिल

इस अवसर पर साहित्यकार मास्टर राम अवतार शर्मा की नव प्रकाशित कृति महाभारत के पात्र का लोकार्पण किया गया, वहीं पिछले दिनों प्रकाशित पुस्तक युगर्षि भगवान शरणानंद चरितम् की समीक्षा की गई। साहित्यकार सभाचंद व अशोक ढोरिया ने अपनी नव प्रकाशित कृतियां सभी रचनाकारों को भेंट की। इस मौके पर शास्त्री ने रचनाकारों के दायित्वबोध को रेखांकित करते हुए समाज एवं राष्ट्र हेतु कलम चलाने का आह्वान किया, वहीं मुख्य वक्ता नाहड़िया ने प्रख्यात आध्यात्मिक विचारक स्वामी शरणानंद महाराज पर ऐतिहासिक ग्रंथ संपादित करने के लिए संपादक, रचनाकारों तथा प्रकाशक को बधाई दी। वरिष्ठ रचनाकार मास्टर राम अवतार शर्मा ने अपनी सृजनशीलता तथा अमेरिका प्रवास से जुड़े प्रेरक एवं रोचक प्रसंग सुन कर सभी को भाव विभोर किया आचार्य नेमीचंद शांडिल्य के संयोजन व संचालन में आयोजित समारोह में रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, झज्जर तथा जींद से साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं व वक्तव्यों से समारोह को नई ऊंचाइयां प्रदान की, जिनमें राष्ट्रपति पुरस्कार से अलंकृत मित्र राधेश्याम गोमला, कैप्टन वीरसिंह, राजेश भुलक्कड़, डा. त्रिलोकचंद फतेहपुरी, दलबीर फूल, सत्यवान सत्य, अशोक ढोरिया, सभाचंद सुभाष, धर्मवीर बल्डोदिया, अरविंद भारद्वाज, देवीराम निर्मल, डा. सुधा, मुरारीलाल सोनी, डा. जयभगवान यादव, मास्टर खुशहाल, संजय जांगड़ा, रजनी देवी, देविका, रागनी व मोना शामिल रहे। आयोजन समिति की ओर से साहित्यकार कमला देवी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एनएसएस इकाई ने युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश



बावल। कृषि महविद्यालय बावल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बनीपुर गांव में नशा मुक्ति जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को प्रभावित करता है तथा सामूहिक प्रयासों और जागरूकता से ही एक स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डा. अमरजीत और बनीपुर गांव के सरपंच पवन कुमार उपस्थित रहे। डा. अमरजीत ने नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया, जबकि सरपंच ने इस पहल की सराहना की और ग्रामीणों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया। नुक्कड़ नाटक में आदित्य, तनीष, अभिनव, दिवांशु, देविका, यशिका, कुसुम और रवीना ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से दिखाया कि नशा किस प्रकार घरेलू हिंसा, पारिवारिक कलह और सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। उन्होंने युवाओं के बीच नशे की समस्या तथा इसके शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक दुष्प्रभावों को भी प्रस्तुत किया।

प्रजापति कुम्हार सभा की नई कार्यकारिणी गठित, हरिकिशन प्रजापति बने प्रधान

रेवाड़ी। प्रजापति कुम्हार सभा के प्रधान एवं नई कार्यकारिणी का चुनाव नई आबादी स्थित प्रजापति धर्मशाला में सर्वसम्मति से संपन्न हुए। चुनाव निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट महेश कुमार की मौजूदगी में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। इस दौरान समाज के सदस्यों ने आपसी सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए समाज की एकता, संगठन और सामाजिक उत्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। चुनाव में हरिकिशन प्रजापति को सभा का प्रधान चुना गया। वहीं संजय कुमार कुतुबपुर को उप प्रधान, सचिव मास्टर महेंद्र सिंह व कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार प्रजापति को नियुक्त किया गया। इसके अलावा ठेकेदार रोशन लाल, कृष्ण कुमार बंसीवाल, बीरसिंह, महेश चंद, रमेश खजांची, धर्मेंद्र कुमार प्रजापति, दौलत राम प्रजापति प्रधान 360 एवं ओमप्रकाश सेवानिवृत्त क्षेत्रीय प्रबंधक ग्रामीण बैंक को संस्थापक के रूप में शपथ दिलाई गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों का स्वागत किया गया। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद पूर्व प्रधान रोशन लाल ठेकेदार ने अपना त्यागपत्र सौंपते हुए सभा का कार्यभार नवनिर्वाचित प्रधान हरिकिशन प्रजापति को सौंपा। सभा के सदस्यों ने महाराज गुरु दक्ष प्रजापति की प्रतिमा पर पुष्पमालाएं अर्पित कर नमन किया। उन्होंने समाज के आराध्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए सामाजिक एकजुटता बनाए रखने और समाज के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। मंच संचालन पूर्व प्रधान बीर सिंह ने किया। इस मौके पर सुरेश कुमार सदस्य कष्ट निवारण समिति, महेंद्र कुमार, लल्लू प्रधान, श्रीराम थानेदार, सुभाष प्रजापति, धर्मवीर, राजू, बेगराज, प्रभुदयाल सेवानिवृत्त जूनियर इंजीनियर, हीरालाल ठेकेदार, मास्टर जगदीश व बलबीर ठेकेदार सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।



आईजीयू में अंतर-कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं का शेड्यूल जारी, 27 से 3 नवंबर तक होंगे मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षणिक सत्र के तहत अंतर-कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं और चयन ट्रायल्स की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। विश्वविद्यालय खेल परिषद के अनुसार अक्टूबर और नवंबर माह में पुरुष एवं महिला वर्ग जिम्नास्टिक्स, एथलेटिक्स, वुशु और ताइक्वांडो की चैंपियनशिप और ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस ही नहीं, बल्कि अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि युवा अपनी ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग कर सकें। कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने सभी प्रतिभागियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की। उन्होंने संबद्ध महाविद्यालयों से आग्रह किया कि वे अपनी टीमों को समय पर भेजकर विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करें। खेल निदेशक डा. अशोक कुमार यादव ने कहा कि प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य प्रतिभावान खिलाड़ियों को पहचानकर उन्हें अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने का मंच प्रदान करना है।

यह रहेगा प्रतियोगिताओं का शेड्यूल

जिम्नास्टिक्स (पुरुष व महिला): 27 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राव तुलाराम स्टेडियम रेवाड़ी।
एथलेटिक्स (पुरुष व महिला): 30 अक्टूबर को सुबह 10 बजे आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना।
वुशु (पुरुष व महिला): 3 नवंबर को सुबह 10 बजे गवर्नमेंट कॉलेज अटेली।
ताइक्वांडो (पुरुष व महिला): 3 नवंबर को दोपहर एक बजे गवर्नमेंट कॉलेज अटेली।



खिलाड़ियों के लिए जरूरी निर्देश

सहायक खेल निदेशक के अनुसार सभी प्रतिभागियों को अपना कॉलेज पहचान पत्र और पात्रता प्रपत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। प्रत्येक टीम के साथ कॉलेज प्रबंधक-इंचार्ज का होना आवश्यक है। चयन परीक्षण के लिए प्रति खिलाड़ी 300 शुल्क निर्धारित किया गया है।

यादव कल्याण सभा ने वार्षिक उत्सव की तैयारी को लेकर किया मंथन, कमेटियों को सौंपे कार्य

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व बैठक का आयोजन किया गया। शिविर में 100 मरीजों को चिकित्सा सेवा प्रदान की गई। शिविर के बाद यादव कल्याण सभा कार्यकारिणी की विशेष बैठक प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता आयोजित की गई। मीटिंग वार्षिक उत्सव व प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान समारोह के आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की गई। डा. एल एस यादव ने बताया कि वार्षिक उत्सव के आयोजन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन कर लिया गया है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे इसमें अपनी ड्यूटी नोट करके शीघ्र अपना कार्य शुरू करें। प्रो. सतीश यादव ने गठित विभिन्न कमेटियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रतिभा प्रोत्साहन व सम्मान समारोह के मानदंडों बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया था तथा इसके लिए एप्लिकेशन 20 अक्टूबर तक मांगे गए है। मीटिंग में सभी सदस्यों से विचार विमर्श व प्रधान रामबीर यादव की सहमति से एप्लिकेशन जमा करने की तारीख 5 नवंबर तक बढ़ाई गई। प्रधान ने बताया कि वार्षिक उत्सव के मुख्य अतिथि व तारीख की जानकारी अगले रविवार तक तय की जाएगी। मीटिंग में प्रो आर एस यादव, कमांडेंट आर के यादव,डा. आर के यादव, मनोज यादव, पीएस यादव, दलीप सिंह, सुरेन्द्र सिंह, रायसिंह, जगत सिंह, संजय यादव, कैलाश यादव, दुलीचंद, विजयपाल, राम अवतार, समय सिंह, राम सिंह, प्रो सुशांत, यशोवर्धन, दिनेश, मंगेश, इंद्रजीत, समंदर सिंह व बिक्रम मौजूद थे।

डा. भीमराव अंबेडकर मेधावी छात्र योजना के लिए 30 नवंबर तक होंगे आवेदन

रेवाड़ी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से वर्ष 2026-27 की अवधि के लिए डा. भीमराव अंबेडकर मेधावी छात्र योजना के तहत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति, घुमंतू, अर्ध घुमंतू, टपरीवास, पिछड़ा वर्ग जातियों एवं सामान्य श्रेणी के छात्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। छात्र 30 नवंबर तक सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र व छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाति है। इस योजना के अंतर्गत छात्र की पारिवारिक वार्षिक आय चार लाख से कम होनी आवश्यक है।

किसान आधुनिक कृषि यंत्रों के प्रयोग से पराली का खेत में ही करे प्रबंधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत धान की फसल कटाई उपरांत धान फसल अवशेषों को मशीनों की सहायता से मिट्टी में मिलाने पर किसानों को 1200 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जा रही है। प्रोत्साहन राशि को प्राप्त करने के लिए किसानों का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं की निगरानी एवं रोकथाम के लिए जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं गांव स्तर पर टीमें गठित की गई है। यदि कोई किसान पराली जलाता हुआ पाया जाता है अथवा उसके खेत



में पराली जलने की घटना पाई जाती है तो एनजीटी की ओर से जारी निर्देशों के तहत कार्यवाही की जाएगी व इसके अतिरिक्त मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर भूमि रिकॉर्ड में रेड एंट्री दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में 132 गांवों में किसानों की ओर से धान की फसल बोई गई है तथा इन गांवों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है। उप कृषि निदेशक डा. राकेश कुमार ने बताया कि पराली को जलाने से वायु प्रदुषण बढता है, मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होती है। मिट्टी में मौजूद मित्र कीट नष्ट हो जाते है। उन्होने किसानों से आह्वान किया कि कोई भी किसान खेतों में पराली न जलाए व इसके लिए दूसरे किसानों को भी जागरूक करें।

एचएसटीईएस रैंक के आधार पर मिलेगी प्राथमिकता, सीटें बचने पर 12वीं के अंकों से बनेगी मेरिट

आईजीयू मीरपुर में बी.फार्मेसी की रिक्त सीटों पर संस्थान स्तर की काउंसलिंग शुरू, 23 तक होंगे आवेदन

■ एचएसटीईएस की ऑनलाइन काउंसलिंग के दो चरण पूरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बी.फार्मेसी प्रथम वर्ष की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए संस्थान स्तर की काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि हरियाणा स्टेट टेक्निकल एजुकेशन सोसाइटी के माध्यम से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग के दो चरण पूरे होने के बाद रिक्त रह गई सीटों को भरने के लिए एचएसटीईएस के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रक्रिया आयोजित की जा रही है।

प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि संस्थान स्तर की काउंसलिंग में प्रवेश के लिए सर्वप्रथम एचएसटीईएस रैंक के आधार पर तैयार मेरिट को प्राथमिकता दी जाएगी। यदि इसके बाद भी सीटें रिक्त रहती हैं, तो विश्वविद्यालय की ओर से कक्षा 12वीं में प्राप्त अंकों के प्रतिशत के आधार पर नई मेरिट सूची तैयार की जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं पात्रता मानदंडों के अनुसार संपन्न की जाएगी। बी.फार्मेसी में प्रवेश से संबंधित आवेदन पत्र, पात्रता, दिशा-निर्देशों व अन्य जानकारी के लिए अभ्यर्थी इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट आईजीयू.एसी.इन पर विजिट कर सकते हैं।

आवेदन, पात्रता और दिशा-निर्देशों की जानकारी आईजीयू की वेबसाइट पर उपलब्ध

रिक्त सीटों का विवरण व दस्तावेज

बी.फार्मेसी प्रथम वर्ष में 14 सीटें रिक्त है, जिसमें एचओजीसी 3, एचओजीसी-एफएफ 1, एससी 3, एससी-ईएसएम 1, बीसी 1, पीएच 1, टीएफडब्ल्यू 2, ईडब्ल्यूएस में 2 सीटें शामिल हैं। आवेदन पत्र के साथ 10वीं कक्षा का प्रमाण-पत्र, 12वीं कक्षा का प्रमाण-पत्र, ओसीईटी रैंक कार्ड, एचएसटीईएस आवेदन पत्र की प्रति, संबंधित श्रेणी का प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो), आय प्रमाण-पत्र (जहां लागू हो), हरियाणा निवासी प्रमाण-पत्र, ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो) व आवेदन शुल्क भुगतान का प्रमाण अनिवार्य है। रिक्त सीटों पर मेरिट के आधार पर प्रवेश होगा।

महत्वपूर्ण तिथियां एवं आवेदन प्रक्रिया

आवेदन 16 अक्टूबर से शुरू हो गए है। आवेदन की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर दोपहर 1 बजे तक रहेगी। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट आईजीयू.एसी.इन से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदन जमा करने का स्थान भूतल, विवेकानंद ब्लॉक, फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग है। आवेदन 19, 21, 22 और 23 अक्टूबर को स्वीकार किए जांएगे। सामान्य श्रेणी में आवेदन शुल्क 1500 रुपये व हरियाणा की सभी आरक्षित श्रेणियों में 750 रहेगा।

बिना नंबर प्लेट व हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट वाले वाहनों के काटे चालान

बीते 2 माह में 3877 वाहनों पर कसा शिकंजा



रेवाड़ी। बिना नंबर प्लेट की बाइक का चालान काटती पुलिस।

1 जिले के चौराहों, अंतरराज्यीय नाकों और हाइवे पर मुस्तैद रहेगी पुलिस की टीमें

2 पुलिस का उद्देश्य चालान काटना नहीं, चालकों में कानून के प्रति सम्मान और सड़क सुरक्षा की भावना विकसित करना

10 से 15 वर्ष पुराने वाहनों सहित 927 वाहन जब्त किए

यातायात पुलिस व सभी थाना प्रभारियों की ओर से चलाए गए अभियान के तहत बीते सितंबर और अक्टूबर माह में बिना नंबर प्लेट तथा बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट वाले 3877 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा 10 से 15 वर्ष पुराने वाहनों सहित 927 वाहन भी जब्त किए गए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस सड़कों पर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने, ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त बनाने और आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए पूरी तरह अलर्ट मोड में है। अवैध, बिना नंबर प्लेट और संदिग्ध वाहनों के जरिए होने वाले अपराधों पर रोक लगाने के लिए जिला पुलिस जीरो टॉलरेंस नीति अपना रही है।

एक नवंबर से शुरू होगा चेकिंग अभियान

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि 1 नवंबर से पूरे जिले में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। जिले के सभी एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स, प्रमुख चौराहों, शहर के अंदरूनी मार्गों और नाकों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। एचएसआरपी व वैध नंबर प्लेट के बिना दौड़ने वाले वाहनों को रोककर मोटर वाहन अधिनियम के तहत भारी जुर्माना वसूला जाएगा व उन्हें जब्त कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक रेवाड़ी श्री हेमेंद्र कुमार मीणा (कढर) का संदेश



वाहन पर सही और साफ हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट होना सिर्फ कानूनी अनिवार्यता ही नहीं, बल्कि सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण कवच है। जिन वाहन मालिकों ने अब तक अपने वाहनों पर एचएसआरपी नहीं लगवाई है, वे 1 नवंबर से पहले संबंधित विभाग या अधिकृत केंद्र से लगवा लें। जिला पुलिस का उद्देश्य चालान काटना नहीं, बल्कि चालकों में कानून के प्रति सम्मान और सड़क सुरक्षा की भावना विकसित करना है।

-हेमेंद्र कुमार मीणा, एसपी रेवाड़ी।

सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र के नाटक का मंचन किया

- सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र ने जोगन को सौंपा राजपाट पत्नी तारामती व पुत्र रोहिताश्व को काशी सेठ को बेचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



रेवाड़ी। मोती चौक के रामलीला मंच पर नाटक का मंचन करते कलाकार।

श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला के मंच पर शनिवार रात्रि सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र के नाटक का मंचन किया गया। जब पूरे संसार में राजा हरिश्चन्द्र की सत्यवादिता के प्रभाव से इंद्र का सिंहासन डोलने लगा तो ऋषि विश्वामित्र ने राजा इंद्र देव को बताया कि अब वो दिन दूर नही जब राजा हरिश्चन्द्र का स्वर्ग पर भी राज होगा। चिंतित हुए इन्द्र ने उपाय जानना चाहा तो विश्वामित्र ने इन्द्र के साथ मिलकर एक षडयंत्र रचा और उन्होंने अपनी माया से एक जोगन प्रगट की, जिसे राजा हरिश्चन्द्र के दरबार में गायन के लिए भेजा गया। जोगन ने जब राजा हरिश्चंद्र के दरबार में भजन सुनाया तो राजा इतने आनन्दित हुए कि उन्होंने उसको वर मांगने के लिए बोला, जिस पर जोगन ने हरिश्चंद्र का राजपाट मांग लिया। राजा वचनबद्ध थे। विश्वामित्र के दखल के बाद राजा ने अपनी वेशभूषा सहित अपना राजपाट जोगन के हवाले कर दिया, फिर भी ढाई भार सोना शुल्क बकाया रह गया, जिसे चुकाने के लिए राजा हरिश्चन्द्र ने अपनी पत्नी तारामती व पुत्र रोहिताश्व को काशी के एक सेठ को बेचना पड़ा और स्वयं को श्मशान के एक चांडाल को सौंपना पड़ा। दुःखों का पहाड़ टूटने पर भी उन्होंने सत्य का दामन नहीं छोड़ा। यहां तक कि जब उनके पुत्र रोहित की जब सांप के डसने से मृत्यु हो जाती है तो भी वे तारामती से बिना शुल्क लिए उसका अंतिम संस्कार करने से मना का देते हैं। ऐसी परीक्षा की घड़ी में ऋषि विश्वामित्र प्रगट होते हैं और उनकी सत्यवादिता का लोहा मानते हुए, उनका राजपाट वापस उनके हवाले कर देते हैं। गीत व संगीत से सजे, मनोरंजन व मार्मिक दृश्यों से ओतप्रोत नाटक ने दर्शकों को देर रात तक बैठने पर मजबूर किया। रामलीला के निर्देशक राजेश पंवार ने बताया कि दिल्ली से भारत भूषण कश्यप ने राजा हरिश्चन्द, गुरुग्राम से प्रेम प्रकाश शर्मा ने ऋषि विश्वामित्र, संजय सैनी ने तारामती, बाल कलाकार माधव पंवार ने रोहिताश्व, महेश पटवारी ने इंद्र, भारत ने जोगन, वैभव शर्मा और विजय पंवार ने इंद्र दरबार के प्रधान, डा. सुभाष ने काशी सेठ, अमित कश्यप ने सेठानी व ललित ने कॉमेडियन चेला नक्षत्र का अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस मौके पर दर्शकों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व कन्या भ्रूण हत्या कभी भी न करने की शपथ भी दिलाई गई।

इनका रहा सहयोग

नाटक के मंचन में मुख्य संरक्षक अशोक शर्मा, श्याम गुप्ता, नानक गुप्ता, करण गुप्ता, मनीष सेन, जय भूषण शर्मा, विकास गुप्ता, लोकेश गोयल, हिमांशु गुप्ता, रूपेश गुप्ता, बाबू लाल गुप्ता, लाला राम गुप्ता, काकी अग्रवाल व सचिव याद के सुगंध का सहयोग रहा।

नुक्कड़ नाटकों से दिया नशा मुक्ति का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



खेल एवं युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्यमंत्री गौरव गौतम के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में नशामुक्ति जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विभाग की पहल पर तत्वसत्य एलएलपी व पिपल ऑफ सोसाइटी ट्रस्ट की ओर से सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था भरतमुनि कला केंद्र के सहयोग से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त भारत विषय पर जिले के सभी खडों में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। अभियान की शुरूआत विश्वकर्मा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रंगकर्मी मदन डागर के मार्गदर्शन व डा. अंकुर के निर्देशन में की गई। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं एवं आमजन को नशे के शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।राजकीय वरिष्ठ विद्यालय धारूहेड़ा, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भालखि माजरा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निमोठ, डहिना, जाटूसाना व नाहड़ में नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए। नुक्कड़ नाटक टीम में , शुभम, मनीष व गौरव शामिल थे।

हास्य नाटक 'मुझे लूट लिया' का मंचन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी





रेलवे कॉलोनी में श्री राम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब की ओर से चल रहे रामलीला उत्सव में शनिवार रात्रि हास्य नाटक का 'मुझे लूट लिया' का मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन के के सक्सेना ने किया। पं. मोहन लाल शर्मा के मंत्रोच्चारण व पूजन के बाद मोनिका यादव पूर्व नगर पार्षद ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मौके पर अजय कुमार कानोड गेट पुलिस चौकी इंजार्च को उनकी टीम की सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। नाटक मंचन में किराये का मकान लेने के लिए प्रकाश ने ब्रिजभूषण सक्सेना को अपनी पत्नी बनाकर धन्नो मकान मालकिन से मकान लिया। प्रकाश के नौकर चेतु को प्रकाश की बीबी चन्द्रमुखी बताने में हंसी आना सब को शक के घेरे में खड़ा करती हैं, लेकिन हर बात पर चेतु को कन्हैया कसम कहना सब को हंसाता हैं। प्रकाश तो पहले ही मकान में घबरा कर रहता हैं कि मकान मालकिन को शक न हो जाए, उस पर उसका दोस्त राज एक लड़की को भगाकर ले आता हैं। पहले तो प्रकाश को पत्नी ही बताता हैं, लेकिन प्रकाश को शक होने पर सब बातों का पता चल जाता हैं। राज की बनने वाली पत्नी मंजुला बहुत गुस्से वाली औरत हैं, जो बात-बात पर गुस्सा हो जाती हैं। प्रकाश की घर वाली चन्द्रमुखी का यह कहना मेरी शादी को तीन-पांच साल हो गए हैं, मगर अभी गोद नहीं भरी हैं। प्रकाश की प्रेमिका रेखा हैं, जो प्रकाश से घर पर मिलने आती हैं, लेकिन घर में चन्द्रमुखी को देखकर गुस्सा होकर चली जाती हैं, जिस कारण से प्रकाश चन्द्रमुखी पर गुस्सा हो जाता हैं। इस चक्कर में चन्द्रमुखी लहंगा उतार देती हैं, इतने में धन्नो मालकिन आ जाती हैं, लेकिन किसी तरह प्रकाश जान बचाता हैं। प्रकाश के पिता भी आ जाते हैं, जो प्रकाश की शादी की बात पक्की करने के लिए उससे पूछने आते हैं, लेकिन उनको घर में चन्द्रमुखी मिल जाती हैं, जिसको प्रकाश घर में काम करने वाली बताकर पीछा छुड़ता हैं, लेकिन मकान मालकिन और प्रकाश के पिता में इस बात को लेकर झगड़ा शुरू हो जाता हैं।

आरडीएस गर्ल्स कॉलेज में डांडिया उत्सव की रही धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



आरडीएस पब्लिक गर्ल्स कॉलेज में कल्चरल कमेटी की ओर से डांडिया उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। प्राचार्य डा. दलबीर सिंह यादव की कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना तथा उनमें आपसी सहयोग, एकता और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करना था। इस अवसर पर प्राचार्य डा. दलबीर सिंह यादव ने कहा कि डांडिया केवल एक लोकनृत्य नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत, सामूहिक आनंद और एकता का प्रतीक है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन छात्राओं को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, रचनात्मकता और सामाजिक सद्भाव की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम में कल्चरल कमेटी की कन्वीनर मिथलेश यादव, सदस्य डा. पिंकी शर्मा, क्रांति शर्मा, रेणु यादव, शानू यादव, डा. सबीत यादव, अंजू, डा. सुनीता यादव व डा. रीना कुमारी उपस्थित रहीं।

खेल महाकुंभ ट्रायल्स में खेल नर्सरी के खिलाड़िया ने जीते छह पदक



रेवाड़ी। हरियाणा के खेल महाकुंभ की जिला स्तरीय शूटिंग के ट्रायल गांव टांकड़ी स्थित शूटिंग अकादमी पर आयोजित हुए। ट्रायल में 10 मीटर एयर पिस्टल मेन, 10 मीटर एयर पिस्टल विमेन, 10 मीटर एयर राइफल मेन और 10 मीटर एयर राइफल विमेन अथवा 10 मीटर एयर पिस्टल और राइफल मिक्सड टीम इवेंट की ट्रायल हुई। ट्रायल में जिले के 48 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया, जिसमें जिले की शूटिंग की सभी खेल नर्सरियों व प्राइवेट अकादमी के खिलाड़ियों ने भाग लिया। ट्रायल में राव शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने 8 में से छह पदक हासिल किए। शहर के सेक्टर-4 स्थित राव शूटिंग अकादमी के अंतरराष्ट्रीय कोच रमन राव ने बताया के ट्रायल्स में 8 साल से अधिक उम्र के बच्चों ने भाग लिया, जिसमें मैक्सिमम ऐज लिमिट नहीं थी और सभी खिलाड़ी सीनियर वर्ग में खेल रहे थे।

गुरुजनों के बीच हुए रोचक रंगोत्सव मुकाबले भालखी स्कूल को मिले सर्वाधिक पुरस्कार

रेवाड़ी। खंड खोल का रंगोत्सव कार्यक्रम का आयोजन भालखी स्थित फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव रावमावि में प्रभारी प्राचार्य मुकेश यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें खंड के दो दर्जन से ज्यादा शिक्षकों के बीच में विभिन्न प्रतियोगिताओं में रोचक मुकाबले हुए, जिसमें मेजबान भालखी स्कूल को सर्वाधिक पुरस्कार मिले। कार्यवाहक खंड शिक्षा अधिकारी एवं वरिष्ठ साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने गायन, वादन, रंगमंच तथा विजुअल आर्ट्स के क्षेत्र में अपने प्रतिभा के जौहर दिखाए। क्लासिकल वोकल म्यूजिक के पुरुष वर्ग में प्राध्यापक सुधीर हरषु भालखी तथा महिला वर्ग में अध्यापिका मंजू शर्मा सीहा विजेता रहे। वोकल म्यूजिक फोक में प्राध्यापक सुधीर हरषु, भालखी तथा मौलिक मुख्य अध्यापिका संतोष यादव राजपुरा सर्वश्रेष्ठ रहे। इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक में विज्ञान अध्यापक महेश सुंदरोज व मौलिक मुख्य अध्यापक सत्यपाल बुड़ौली पुरुष वर्ग में तथा डीपीई रजनीबाला अहरोद महिला वर्ग में विजेता रहीं। डांस के पुरुष वर्ग में मंढोला के प्राध्यापक जितेंद्र कुमार तथा महिला वर्ग में प्राध्यापिका आशा व बिंदु बुड़ौली ने बाजी मारी। थिएटर के पुरुष वर्ग में प्राध्यापक सुधीर हरषु भालखी व महेश सुंदरोज तथा महिला वर्ग में कविता भालखी विजेता रहे।



कोसली मार्केट कमेटी के पूर्व वाइस चेयरमैन को दी श्रद्धांजलि



कोसली। कोसली मार्केट कमेटी के पूर्व वाइस चेयरमैन ओमप्रकाश बंसल के निधन पर श्याम वाटिका में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व संसदीय सचिव अनीता यादव ने कहा कि कुछ लोग समाज में सादगी से पहचान बनाते हैं। आज के युग में शादगीपूर्ण ढंग से जीवन यापन करना मुश्किल है। ओमप्रकाश बंसल ने सादगी की मिसाल प्रस्तुत की तथा परिवार का अच्छे से पालन किया। अग्रवाल समाज की ओर से उनके पुत्र को पगड़ी बांधी गई। इस मौके पर अग्रवाल सभा के प्रधान तेजपाल गर्ग, सोनू बंसल, अमित गर्ग व ललित गुप्ता सहित समाज के अन्य लोग मौजूद थे।

पद संभालने के बाद भी नहीं भूली सनातन परंपरा डा. सुधा ने पारंपरिक तरीके से किया कन्या पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



हाल ही कर्नाटक के राज्यपाल का पद संभालने वाली डा. सुधा यादव नवरात्र पर्व की समाप्ति पर सनातन परंपरा को भुलाने की बजाय बेंगलुरू में बखूबी ढंग से निभाया। उन्होंने रविवार को गांधीनगर के नागम्मानगर स्लम क्षेत्र की बालिकाओं को विशेष रूप से लोक भवन आमंत्रित किया। विधि-विधान के साथ कंजक पूजन करने के बाद उन्हें भोज कराया।

डॉ. सुधा यादव ने बालिकाओं के माथे पर तिलक लगाकर श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। उन्होंने बच्चों के साथ विशेष भोजन किया और स्वयं भी बच्ची की तरह उनके साथ घुल-मिलकर हँसी-खुशी से बातचीत की, जिससे वहाँ आनंद और अपनत्व का वातावरण बना। उन्होंने बच्चों को स्कूल बैग, पुस्तकें तथा अन्य लेखन सामग्री भी भेंट की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

प्रेम और करुणा का दिया संदेश

नवरात्रि के शुभ अवसर पर बालिकाओं के साथ कंजक पूजा के इस विशेष आयोजन के माध्यम से राज्यपाल ने प्रेम, करुणा और संवेदनशीलता का संदेश दिया। साथ ही, बालिकाओं की शिक्षा, उनके उज्ज्वल भविष्य और सर्वांगीण विकास के लिए सहयोग एवं प्रोत्साहन के महत्व को रेखांकित किया। कर्नाटक स्लम विकास बोर्ड के मुख्य अभियंता एवं सहायक कार्यकारी अभियंता सहित राज्यपाल के निजी स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे।

जेपीएस अंकुर के बच्चों ने प्रदर्शनी में दिखाई प्रतिभा

रेवाड़ी। जैन पब्लिक स्कूल की बाल शाखा अंकुर स्कूल में आकर्षक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर नन्हे अंकुरों ने शिक्षकों व अभिभावकों के सहयोग से सुंदर कलाकृतियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय की सेवानिवृत्त मुख्याध्यापिका रेणिका जैन ने बतौर मुख्य अतिथि प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी गोपाल शर्मा ने बताया कि पंचतंत्र की कहानियां सुनकर और तारामंडल देख बच्चे अभिभूत हो उठे। प्रबंधन समिति के प्रधान सीए मोहित जैन, उपप्रधान सीमा जैन, शासकीय निकाय सदस्य रविंद्र जैन, विजय जैन, निपुण जैन, प्रधानाचार्या प्रतिमा शर्मा, उपप्रधानाचार्या विजय गुप्ता व अंकुर प्रभारी लीना मखीजा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। अतिथियों व आगंतुकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बच्चों व अभिभावकों के सहयोग से बनी खेत से प्लेट तक की प्रदर्शनी सभी के आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में खेत-खलिहान, फसलों तथा पौष्टिक भोजन की रोचक जानकारी दी गई। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट कलाकृतियां भी आकर्षण का केंद्र रही।



रामलीला

श्रीराम ने बाली का वध कर सुग्रीव का किया राज्याभिषेक

जंगल में वर्षों से इंतजार कर रही शबरी से श्रीराम मिलते हैं और जूठे बेर खाते हैं



- हनुमान श्रीराम को सुग्रीव से मिलवाते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के गांव मैलावास में रामलीला के मंच पर शनिवार रात्रि श्रीराम व लक्ष्मण सीता की खोज में जंगल-जंगल भटकते हैं तो घायल जटायु उन्हें रावण की करतूत बताता है और प्राण त्याग देता है। जंगल में वर्षों से इंतजार कर रही शबरी से जब श्रीराम मिलते हैं तो उसके झूठे बेर खाते हैं। आगे चलकर राम की मुलाकात ऋषिमुख पर्वत पर हनुमान से होती है। हनुमान श्रीराम को सुग्रीव से मिलवाते हैं, जो अपने भाई बाली का सताया हुआ है। श्रीराम सुग्रीव की मदद करने की शपथ लेते हैं और सुग्रीव सीता को ढूंढने में मदद देने की शपथ लेता है। इसके बाद श्रीराम बाली का वध करके सुग्रीव का राज्याभिषेक करते है और सीता माता की खोज में निकलते है। रामलीला में कृष्ण कुमार मुख्य अध्यापक ने राम, धर्मपाल ने लक्ष्मण, पूर्व प्राध्यापक प्रताप सिंह ने बाली, उमराव ने सुग्रीव, प्राध्यापक डा. देवीलाल ने हनुमान, नवीन ने जामवंत, अंकित ने जटायु, नवीन कुमार ने अंगद, अजीत सिंह ने तारा तथा रवि ने शबरी का अभिनय कर दर्शकों को भाव विभोर किया।

हनुमान ने माता सीता से मुलाकात कर दिया श्रीराम का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



लोको शिव मंदिर ड्रामेटिक क्लब की ओर से शनिवार रात्रि रामलीला में लंका दहन का मंचन किया गया। हनुमान के पराक्रम, रावण के दरबार में उनकी निर्भीकता और सोने की लंका के धू-धू कर जलने के दृश्य ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। क्लब के निर्देशक राम नारायण तंवर ने बताया कि मंचन में सबसे पहले हनुमान समुद्र पार कर लंका पहुंचे और अशोक वाटिका में माता सीता से मुलाकात की। उन्होंने माता सीता को भगवान श्रीराम का संदेश दिया और भरोसा दिलाया कि प्रभु श्रीराम जल्द ही रावण का अंत कर उन्हें मुक्त कराएंगे। इसके बाद पुष्प वाटिका में ताजे फल देखकर हनुमान को भूख लगी। उन्होंने माता सीता से अनुमति लेकर फल खाए और अपनी भूख मिटाई। उन्होंने रावण की पुष्प वाटिका को तहस-नहस कर दिया। वाटिका उजड़ने की सूचना मिलने पर रावण ने हनुमान को पकड़ने के लिए अपने योद्धाओं को भेजा। मंचन में रावण की भूमिका राहुल चावरियां, हनुमान की भूमिका भूषण सैनी, मेघनाथ की भूमिका मोनू शर्मा, अक्षय कुमार की भूमिका पवन कुमार और राक्षस की भूमिका चिराग ने निभाई।

मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाऐंगे, राम आएंगे भजन पर झूमें श्रद्धालु

रेवाड़ी। श्री शिव रामलीला समिति नई अनाजमंडी की 7वें दिन की रामलीला में पंचवटी ने रावण की ओर से सीताहरण, राम-लक्ष्मण का विलाप, शबरी उद्धार, सुग्रीव से मिलन, बाली वध व हनुमान के सीता मां की खोज में निकलने तक की लीला दिखाई गई। रामलीला में मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाऐंगे, राम आऐंगे..भजन पर श्रद्धालु जमकर झूमें। रामलीला का शुभारंभ रोयल मुख्यातिथि राहुलचंद व ईशाचंद ने किया। समिति के महासचिव दीपक मंगला ने अतिथियों को स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यातिथि ने कहा कि रामलीला केवल एक नाटक नहीं, हमारी आने वाली पीढी को शिक्षा व संस्कार देने का सबसे सशक्त माध्यम है। विशाल संख्या में एक एकत्रित बच्चे, पुरूष, महिला एवं बुजुर्ग यहां नाटक के माध्यम से लीला को देखते है और लीला से संस्कार प्राप्त करते है। लीला में निर्देशन डायरेक्टर कपिलचंद शर्मा व डा. श्याम बिहारी का रहा। मंच संचालन एडवोकेट भूपेन्द्र गुप्ता ने किया तथा प्रोमटिंग का कार्य एडवोकेट नितेश अग्रवाल ने किया। रामलीला के आयोजन में मुख्य संरक्षक व विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, अजय मित्तल, राकेश पाल्हावासिया, नरेश मित्तल, राधेश्याम मित्तल, प्रधान नवल किशोर गुप्ता, उपप्रधान अनिल कुमार गोयल, रमेश गेरा, सुरेश गर्ग, सन्नी गोयल, जितिन अग्रवाल, मुकेश एसआरसीएस, गिरिश सिंघला, मुकेश जिंदल, रिशू यादव, राकेश गोयल व विष्णु का सहयोग रहा।



हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800